जनता कालेज बकेवर में हुई महिला उद्यमिता विषय पर कार्यशाला

दिनांक 07-11-2022 | महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनता कॉलेज बकेवर को प्राप्त ग्रीन चैंपियन अवार्ड की श्रंखला में कॉलेज में सामाजिक उधमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर गोष्ठी का आयोजन किया गया ए जिसमें कई महिला समूहों एवं रावे विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की ए कॉलेज के विभिन्न प्राध्यापकों तथा महिला समूह की प्रमुख श्रीमती अंजलि जो ग्रामीण महिलाओं के साथ अपने उत्पाद पापड़-एसिरकाए मंगोड़ीएअचार लेकर कार्यशाला में प्रस्तुत हुई थीं ने सहभागिता की स वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डा गोपीनाथ मौर्य ने अपने वक्तव्य में. कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला उद्यमियों को विकास के पथ पर आगे आना चाहिए सरकार महिला उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कम व्याज पर छूट देकर प्रोन्नति कर रही है। डा छोटे लघु उद्योगों को किस प्रकार स्थिायित्व किया जाये- योगेश शुक्ला ने छोटे .एऋण किस प्रकार लिया जाय सबसिडी की जानकारी तथा डा एस के विश्वकर्मा ने जैम. जैली अचार मुरब्बा चिप्स बनाने पर प्रकाश डाला। डा० प्रकाश दुबे ने समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद के प्रचार प्रसार - कर विक्री करने पर जोर दिया। डा० पीके राजपूत ने रावे के विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास एवं ग्रामीणों क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ने के लिए आहवान किया डा आदित्य कुमार ने दुग्ध उत्पाद छैना . पनीर घी खोया बनने का तरीका बताया।प्राचार्य प्रोफेसर राजेश किशोर त्रिपाठी ने पुरातन समय में आर्थिक सुदृढ़ता के स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किस प्रकार महिलाएं पुराने समय में अपने परिवार को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं और छोटी छोटे उत्पाद-छोटी बचत कर छोटे-ों को बढ़ावा देकर घर के खर्चे को चलाती थीं इस पर विस्तार से चर्चा की आज के दौर में विभिन्न दैनिक गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद तैयार कर विक्री करने पर प्रकाश डाला एकहा कि घरेलू लघु उद्योग विकसित कर महिलाएं अपने व्यक्तित्व का विकास एवं आर्थिक विकास कर सकती है और कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को 10.10 के समूह में बांटकर महिला तथा ग्रामीण उद्यमियों के साथ सहयोग करने के लिए ग्रामीण अंचलों में भेजेंगे छात्र उनसे उद्यमिता के गुण सीखेंगे और और कैसे हम अपने उत्पाद को अच्छा से अच्छा बनाकर मार्केट में उतारे जिससे कि अधिक से अधिक लाभ हो।उन्होंने लोकल फॉर वोकलएवन डिस्टिक वन प्रोडक्ट तथा जय जवान जय किसान जय विज्ञान तथा अब जय अनुसंधान पर भी विस्तार से चर्चा की तथा अवगत कराया कि इस कार्यक्रम से संबंधित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक 12 नवंबर 2022 को कॉलेज में एक संगोष्ठी के आयोजन के लिए पधारेंगेए जिसमें उनका वक्तव्य प्रस्तुत होगा जो हमारे विद्यार्थियों को यह सिखाएंगे कि हम कैसे अच्छे उद्यमी बनें।कार्यक्रम के संयोजक डा सिंह ने देश की आधी आबादी मातृत्व शक्ति को .पी.एम. आत्मनिर्भर बनने पर प्रकाश डाला तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

JANTA COLLEGE, BAKEWAR (ETAWAH)
(Affiliated to C.S.J.M. University, Kanpur)
WORKSHOP ON
" Social Entrepreneurship, Sustainability and Rural Engagement"
सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव
Co-ordianation With
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, New Delhi
(Ministry of Higher Education, Govt. of India)
7th November - 2022
Dr. R.K. Tripathi
Principal
Dr. A.K. Pandey
Convener (IASDE Cell)
Dr. M.P. Singh
Organizing Secretary
Dr. Yogesh Shukla, Dr. Lalit Gupta
Member

लखनऊ संस्करण
पंजाब केसरी

जनता कालेज में महिला उद्यमिता पर कार्यशाला

- ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला उद्यमियों को विकास के पथ पर आगे आना चाहिए

इटावा में कॉलेज में सामाजिक उद्यमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव विषय पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते।

इटावा,(पंजाब केसरी): महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनता कॉलेज बकेवर को प्राप्त ग्रीन चैंपियन अवार्ड की श्रंखला में कॉलेज में सामाजिक उधमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कई महिला समूहों एवं रावे विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें कॉलेज के विभिन्न प्राध्यापकों तथा महिला समूह की प्रमुख श्री मती अंजलि ने ग्रामीण महिलाओं के साथ जो अपना उत्पाद पापड़ ,सिरका, मंगोड़ी ,अचार लेकर कार्यशाला में प्रस्तुत हुई थी सहभागिता की। वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डा.गोपीनाथ मौर्या ने अपने वक्तव्य में कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला उद्यमियों को विकास के पथ पर आगे आना चाहिए सरकार महिला उद्योग का बढ़ावा देने के लिए कम ब्याज पर छूट देकर प्रोन्नति कर रही है। डा. योगेश शुक्ला ने छोटे-छोटे लघु उद्योगों को किस प्रकार स्थायित्व किया जाये, ऋण किस प्रकार लिया जाय, सबसिडी की जानकारी, तथा डा.एस के विश्वकर्मा ने जैम, जैली अचार, मुरब्बा, चिप्स बनानेपर प्रकाश डाला। डा. प्रकाश दुबे ने समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद के प्रचार- प्रसार कर बिक्री करने पर जोर दिया। डा. पीके राजपूत ने रावे के विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास एवं ग्रामीणों क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ने के लिए आहवान किया डा. आदित्य कुमार ने दुग्ध उत्पाद छैना, पनीर, घी. खोया बनने का तरीका बताया। प्राचार्य प्रोफेसर राजेश किशोर त्रिपाठी ने पुरातन समय में आर्थिक सुदृढ़ता के स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए कहां की किस प्रकार महिलाएं पुराने समय मे अपने परिवार को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी और छोटी-छोटी बचत कर छोटे-छोटे उत्पादों को बढ़ावा देकर के घर के खर्चे को चलाती थी इस पर विस्तार से चर्चा की आज के दौर में विभिन्न दैनिक गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद तैयार कर बिक्री करने पर प्रकाश डाला कहा कि घरेलू लघु उद्योग विकसित कर महिलाएं अपने व्यक्तित्व का विकास एवं आर्थिक विकास कर सकती है। और कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को 10-10 के समूह में बांटकर महिला तथा ग्रामीण उद्यमियों के साथ सहयोग करने के लिए ग्रामीण अंचलों में भेजेंगे छात्र उनसे उद्यमिता के गुण सीखेंगे और और कैसे हम अपने उत्पाद को अच्छा से अच्छा बनाकर मार्केट में उतारे जिससे कि अधिक से अधिक लाभ हो। उन्होंने लोकल फॉर वोकल ,वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट ,तथा जय जवान जय किसान जय विज्ञान तथा अब जय अनुसंधान पर भी विस्तार से चर्चा की तथा अवगत कराया कि इस कार्यक्रम से संबंधित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक दिनांक 12 नवंबर 2022 को कॉलेज में एक संगोष्ठी के आयोजन के लिए पधारेंगे, जिसमें उनका वक्तव्य प्रस्तुत होगा जो हमारे विद्यार्थियों को यह सिखाएंगे कि हम कैसे अच्छे उद्यमी बने। कार्यक्रम के संयोजक डा. एम.पी. सिंह ने देश की आधी आबादी मातृत्व शक्ति को आत्मनिर्भर बनने पर प्रकाश डाला तथा सभी का धन्यवाद किया।

राष्ट्र पटल
इटावा, बुधवार 09 नवम्बर 2022

जनता कालेज में महिला उद्यमिता पर हुई कार्यशाला

बकेवर (इटावा)। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनता कॉलेज बकेवर को प्राप्त ग्रीन चौंपियन अवार्ड की श्रंखला में कॉलेज में सामाजिक उधमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कई महिला समूहों एवं रावे विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता किया। जिसमें कॉलेज के विभिन्न प्राध्यापकों तथा महिला समूह की प्रमुख श्रीमती अंजलि ने ग्रामीण महिलाओं के साथ जो अपना उत्पाद पापड़ ,सिरका, मंगोड़ी ,अचार लेकर कार्यशाला में प्रस्तुत हुई थी। सहभागिता की वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डा. गोपीनाथ मौर्या ने अपने वक्तव्य में कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला उद्यमियों को विकास के पथ पर आगे आना चाहिए सरकार महिला उद्योग का बढ़ावा देने के लिए कम व्याज पर छूट देकर प्रोन्नति कर रही है। डा. योगेश शुक्ला ने छोटे–छोटे लघु उद्योगों को किस प्रकार स्थायित्व किया जाये, ऋण किस प्रकार लिया जाय, सबसिडी की जानकारी, तथा डा. एस के विश्वकर्मा ने जैम, जैली अचार, मुरब्बा, चिप्स बनानेपर प्रकाश डाला। डा. प्रकाश दुबे ने समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद के प्रचार–प्रसार कर बिक्री करने पर जोर दिया। डा. पीके राजपूत ने रावे के विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास एवं ग्रामीणों क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ने के लिए आहवान किया डा. आदित्य कुमार ने दुग्ध उत्पाद छैना, पनीर, घी. खोया बनने का तरीका बताया।

कालेज प्राचार्य प्रोफेसर राजेश किशोर त्रिपाठी ने पुरातन समय में आर्थिक सुदृढ़ता के स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए कहां की किस प्रकार महिलाएं पुराने समय मेअपने परिवार को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी और छोटी–छोटी बचत कर छोटे–छोटे उत्पादों को बढ़ावा देकर के घर के खर्चे को चलाती थी इस पर विस्तार से चर्चा की आज के दौर में विभिन्न दैनिक गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद तैयार कर बिक्री करने पर प्रकाश डाला कहा कि घरेलू लघु उद्योग विकसित कर महिलाएं अपने व्यक्तित्व का विकास एवं आर्थिक विकास कर सकती है। और कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को 10–10 के समूह में बांटकर महिला तथा ग्रामीण उद्यमियों के साथ सहयोग करने के लिए ग्रामीण अंचलों में भेजेंगे छात्र उनसे उद्यमिता के गुण सीखेंगे और और कैसे हम अपने उत्पाद को अच्छा से अच्छा बनाकर मार्केट में उतारे जिससे कि अधिक से अधिक लाभ हो ह्य उन्होंने लोकल फॉर वोकल, वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट तथा जय जवान जय किसान जय विज्ञान तथा अब जय अनुसंधान पर भी विस्तार से चर्चा की तथा अवगत कराया कि इस कार्यक्रम से संबंधित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक दिनांक 12 नवंबर 2022 को कॉलेज में एक संगोष्ठी के आयोजन के लिए पधारेंगे, जिसमें उनका वक्तव्य प्रस्तुत होगा जो हमारे विद्यार्थियों को यह सिखाएंगे कि हम कैसे अच्छे उद्यमी बने। कार्यक्रम के संयोजक डा. एम.पी. सिंह ने देश की आधी आबादी मातृत्व शक्ति को आत्मनिर्भर बनने पर प्रकाश डाला तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय त्याग
हमीरपुर/औरैया/ शाहजहाँपुर/ इट

जनता कालेज में महिला उद्यमिता पर हुई कार्यशाला

जनता कालेज बकेवर में महिला उद्यमिता पर हुई कार्यशाला

करंट विजन संवाददाता

बकेवर, इटावा। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनता कॉलेज बकेवर को प्राप्त ग्रीन चौंपियन अवार्ड की श्रंखला में कॉलेज में सामाजिक उद्यमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कई महिला समूहों एवं रावे विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें कॉलेज के विभिन्न प्राध्यापकों तथा महिला समूह की प्रमुख श्री मती अंजलि ने ग्रामीण महिलाओं के साथ जो अपना उत्पाद पापड़ ,सिरका, मंगोड़ी ,अचार लेकर कार्यशाला में प्रस्तुत हुई थी सहभागिता की।

वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डा. गोपीनाथ मौर्या ने अपने वक्तव्य में कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला उद्यमियों को विकास के पथ पर आगे आना चाहिए सरकार महिला उद्योग का बढ़ावा देने के लिए कम व्याज पर छूट देकर प्रोन्नति कर रही है। डा. योगेश शुक्ला ने छोटे–छोटे लघु उद्योगों को किस प्रकार स्थायित्व किया जाये, ऋण किस प्रकार लिया जाय, सबसिडी की जानकारी, तथा डा.एस के विश्वकर्मा ने जैम, जैली अचार, मुरब्बा, चिप्स बनानेपर प्रकाश डाला। डा0 प्रकाश दुबे ने समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद के प्रचार– प्रसार कर विक्री करने पर जोर दिया। डा0 पीके राजपूत ने रावे के विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास एवं ग्रामीणों क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ने के लिए आहवान किया डा. आदित्य कुमार ने दुग्ध उत्पाद छैना, पनीर, घी. खोया बनने का तरीका बताया ।

प्राचार्य प्रोफेसर राजेश किशोर त्रिपाठी ने पुरातन समय में आर्थिक सुदृढ़ता के स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए कहां की किस प्रकार महिलाएं पुराने समय मेअपने परिवार को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी और छोटी–छोटी बचत कर छोटे–छोटे उत्पादों को बढ़ावा देकर के घर के खर्चे को चलाती थी इस पर विस्तार से चर्चा की आज के दौर में विभिन्न दैनिक गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद तैयार कर विक्री करने पर प्रकाश डाला कहा कि घरेलू लघु उद्योग विकसित कर महिलाएं अपने व्यक्तित्व का विकास एवं आर्थिक विकास कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को 10–10 के समूह में बांटकर महिला तथा ग्रामीण उद्यमियों के साथ सहयोग करने के लिए ग्रामीण अंचलों में भेजेंगे छात्र उनसे उद्यमिता

के गुण सीखेंगे और और कैसे हम अपने उत्पाद को अच्छा से अच्छा बनाकर मार्केट में उतारे जिससे कि अधिक से अधिक लाभ हो। उन्होंने लोकल फॉर वोकल ,वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट ,तथा जय जवान जय किसान जय विज्ञान तथा अब जय अनुसंधान पर भी विस्तार से चर्चा की तथा अवगत कराया कि इस कार्यक्रम से संबंधित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक दिनांक 12 नवंबर 2022 को कॉलेज में एक संगोष्ठी के आयोजन के लिए पधारेंगे, जिसमें उनका वक्तव्य प्रस्तुत होगा जो हमारे विद्यार्थियों को यह सिखाएंगे कि हम कैसे अच्छे उद्यमी बने द्य कार्यक्रम के संयोजक डा. एम.पी. सिंह ने देश की आधी आबादी मातृत्व शक्ति को आत्मनिर्भर बनने पर प्रकाश डाला तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।